


RESSA  
RELIVE YOUR CULTURE  
रेसा

सूरमा


"काजल लागे किरकरो, और सुरमा सहा ना जाए ।  
जिन नैनां में तू बसे, दूजा कौन समाये"



RESSA  
रेसा

सूरमा

वो चीर कोई सूरमा लगता है कहीं का  
ज़ेवर न चुरा पाया तो थमशीर चुरा ली





RESSA  
रेसा

वो चोर कोई सुरमा लगता है कहीं का  
लेकर न सुरा पाया तो शमशेर दुरा ली







RESSA

रेसा  
जो चोर कोई सुरमा लगता है कहीं का  
किन्तु न चुरा पाया तो थमधीर चुरा ली







RESSA

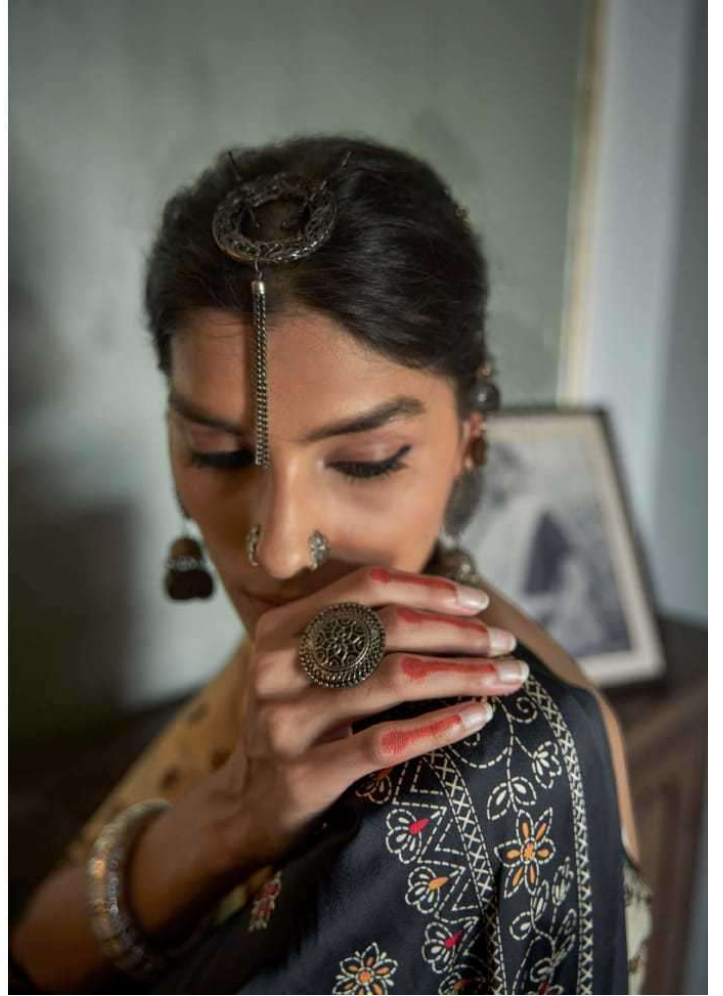
सूरमा  
मौ चोम कोरं सूरमा लजाता हे कहीं का  
खर न सुरा योया लो याम्भीर तुरा ली







  
रेसा  
"काजल लागे किरकरो,और सुस्मा सहा ना जाए ।  
बिन मेरों नो दू बसे, दूजा कौन समाये"









RESSA  
रेखा  
कामरुत लागे किरकरो और सुरमा सदा ना जाए ।  
जिन जिन में तू बसे, दुखा कोन समाये





RESSA

रेसा

"काजल लागे किरकरी और सुरमा सहा ना जाए  
खिन नना में तु खस दूजा कान समाके"



सुरमा  
104





सूरमा /101



सूरमा /102



सूरमा /103



सूरमा /104



सूरमा /105



सूरमा /106

RESSA  
रसा



सूरमा /107



सूरमा /108

सूरमा

यो पोरे कर्नेई सुरमा लफज है कही का  
लेकर न छुटा पया तो सम्मोर छुटा हो



RESSA  
RELIVE YOUR CULTURE  
रेसा

सूरमा

"काजल लागे किरकरो, और सुरमा सहा ना जाए ।  
जिन नैनां में तू बसे, दूजा कौन समाये"